प्रधानमंत्री मोदी की जापान यात्रा

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) से संबंधित है।

द हिन्दू

27 अक्टूबर, 2018

पीएम मोदी की जापान की यात्रा दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत बनाने में मददगार साबित होगी।

वर्ष 2006 में जब इन्होनें वार्षिक शिखर स्तरीय बैठकों को संस्थागत बनाया, तब से भारत और जापान ने बड़ी ऐहतियात के साथ वैश्विक-दृष्टिकोण को अपनाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब अपने जापानी समकक्ष शिन्जो अबे के साथ बैठक के लिए जापान जाएंगे और यह उमीद की जा रही है कि उनके समक्ष व्याप्त सभी समस्याओं का वे समाधान ढूंढेगें, खासकर यू.एस. और चीन के संबंध में।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के व्यापार शुल्क पर हालिया कार्रवाइयां, ईरान और रूस के खिलाफ प्रतिबंध, साथ ही साथ कई बहुपक्षीय और सुरक्षा समझौतों से यू.एस. के बाहर निकलने से दोनों देश विभिन्न तरीकों से प्रभावित हो रहे है।

भारत के लिए, प्रभाव अधिक प्रत्यक्ष है, क्योंकि भारत की अर्थव्यवस्था नई अमेरिकी टैरिफ, इसकी जीएसपी (व्यापार) की स्थिति की समीक्षा, और पेशेवरों के लिए वीजा पर प्रतिबंधों से काफी हद तक प्रभावित हुआ है। इसके अलावा, ईरान के साथ भारतीय संबंध के साथ-साथ रूस से रक्षा खरीद पर संभावित अमेरिकी प्रतिबंधों को एक चुनौतीपूर्ण चुनौती मिलती है।

जापान के लिए भी, अमेरिकी व्यापार शुल्क चिंता का विषय है और ट्रांस-पैसिफिक साझेदारी से वाशिंगटन का बाहर निकलना दक्षिण ापूर्व एशियाई देशों को चीनी प्रभुत्व के तहत एक मुक्त व्यापार व्यवस्था में उलझाना है।

इसके अलावा, उत्तर कोरिया के साथ बार-बार, परमाणु वार्ताएं टोक्यो को अधर में लटका कर रखी हुई हैं। भारत और जापान को भारत-प्रशांत में त्रिपक्षीय और चतुर्भुज संरचनाओं के सदस्यों के रूप में वाशिंगटन के साथ अपने बढ़ते सुरक्षा संबंधों को बनाए रखते हुए अमेरिका से इन चुनौतियों का प्रबंधन कैसे किया जाए, इस पर बारीकी से सहयोग करना चाहिए।

दूसरी आम चिंता प्रभावशाली चीन है। बीजिंग की यात्रा से लौटने के एक दिन बाद श्री अबे, श्री मोदी से मिलेंगे, पहले सात साल में एक जापानी प्रधानमंत्री द्वारा यह पहली घटना होगी। श्री मोदी इस वर्ष राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ कई बैठकें बीजिंग में फिर से करेंगे।

प्रधानमंत्री अपने एशिया अफ्रीका विकास गलियारे देशों के साथ लिए चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के विकल्पों के निर्माण और वित्तपोषण विकल्पों पर विशेष रूप से अपने आम पड़ोसी के साथ आगे बढ़ने के लिए बाध्य हैं।

दोनों नेताओं की शिखर बैठक में क्षेत्रीय सुरक्षा एक अहम मुद्दा होगा। कोरियाई प्रायद्वीप से जुड़े मुद्दों में जापान की रूचि को देखते हुए इस पर चर्चा होने की अधिक संभावना है।

निश्चित तौर पर आतंकवाद एवं सीमा के आरपार अपराध के विषय पर भी चर्चा होगी जो हमारे लिये महत्वपूर्ण साबित होगी। ऐसा माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी के आयुष्मान भारत और जापान के ऐसे कार्यक्रम में एक प्रकार का संबंध है।

ऐसा इसलिए क्योंकि, आयुष्मान भारत को दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सेवा योजना माना जाता है जबकि जापान में ऐसी ही एक योजना को एशिया स्वास्थ्य सेवा पहल के रूप में जाना जाता है।

हांलाकि, देखा जाए तो द्विपक्षीय मोर्चे पर कई कमियां व्याप्त हैं, लेकिन इन कमियों को श्री मोदी और श्री अबे बेहतर बनाने का कार्य करेंगे। जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी ने हाल ही में 5,500 करोड़ रूपए की पहली किश्त जारी की है, जिससे शिंकान्सेन बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में तेजी आएगी। लेकिन इसके बावजूद यह भूमि अधिग्रहण के मुद्दों के कारण कमजोर पड़ रहा है।

भारत और जापान ने सैन्य आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया है और जल्द ही एक ऐतिहासिक अधिग्रहण और सैन्य-तंत्र के समझौते पर बातचीत शुरू कर देंगे। हालांकि, शिनमायवा यूएस -2 एम्फिबियन विमान की लंबित खरीद पर बहुत कम दिलचस्पी दिखाई जा रही है।

इसके अलावा, भारत में जापानी निवेश में कई गुना वृद्धि हुई है, लेकिन व्यापारिक आंकड़े पांच साल पहले के स्तर से कम हैं।

वैसे इनमें से कोई भी मुद्दा ऐसा नहीं है जिसका समाधान नहीं किया जा सकता है और अंतर्राष्ट्रीय नियम-आधारित आदेश पर मजबूत स्थिति बनाए रखते हुए, अनसुलझे और अस्थिर भू-राजनीतिक क्षेत्रों में व्याप्त बड़ी चिंताओं का समाधान श्री मोदी की यह यात्रा सुलझा सकती है।

भारत-जापान संबंध

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जापान की दो दिवसीय यात्रा पर शनिवार को रवाना हो गए है और 28-29 अक्टूबर को भारत-जापान वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।
- प्रधानमंत्री बनने के बाद अपने जापानी समकक्ष शिंजो आबे के साथ नरेंद्र मोदी की ये 12वीं मुलाकात होगी।
- दोनों के बीच पहली मुलाकात सितंबर 2014 मे हुई थी। उसके बाद से वो कई अलग-अलग मौकों पर एक-दूसरे से मिल चुके हैं।
- यात्रा में भारत-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग का विस्तार करने, तीसरी दुनिया में संयुक्त बुनियादी संरचना परियोजनाएं संचालित करने और रक्षा तथा व्यापार जैसे प्रमुख क्षेत्रों में संबंध और मजबूत करने पर ध्यान दिया जाएगा।

महत्वपूर्ण क्यों?

- इस यात्रा के खास मायने इसलिए भी हैं क्योंकि जापान भारत में बड़ा निवेशक है।
- भारत में चलने वाली बुलेट ट्रेन परियोजना में वह बड़ा साझेदार है। वहीं भारत जापान से करीब 18 बुलेट ट्रेन की खरीद भी करने वाला है।
- वहीं वैश्विक स्तर पर यदि पीएम की इस यात्रा के बारे में जाना जाए तो जापान ने कई वैश्विक मंचों पर भारत का साथ दिया है।
- इसी वर्ष जून में भारत में जापानी राजदूत केंजी हिमरत ने कहा था कि उनका देश भारत को एनएसजी का सदस्य बनाए जाने का समर्थक है।
- जापान, भारत का मूल्यवान साझेदार होने के साथ-साथ रणनीतिक और वैश्विक साझेदार भी है।
- दूसरी तरफ भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी में जापान अहम भूमिका में है।
- साथ ही जापान भारत के आर्थिक और प्रौद्योगिकीय आधुनिकीकरण में सबसे भरोसेमंद साथी है तथा भारत के लिए सबसे बड़ा निवेशक है।

भारत-जापान द्वारा शुरू किये गए द्विपक्षीय सहयोग

- **मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड (बुलेट ट्रेन) रेल परियोजना:** 508 किमी. लंबी बुलेट ट्रेन रेल लाइन का काम जल्द शुरू हो जाएगा और यह 2022-23 तक चालू हो जाएगी।
- तेज रफ्तार रेल परियोजना के साथ-साथ एक प्रशिक्षण संस्थान भी बनाया जा रहा है। बुलेट ट्रेन परियोजना जापान के लिये भी लाभदायक है, क्योंकि चीन और दक्षिण कोरिया के बाजार से मिल रही कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण जापान को भारत के रूप में एक बड़ा सहयोगी मिला है।
- **जापानी औद्योगिक बस्ती का विकास:** देशभर में चार स्थानों को अंतिम रूप दिया गया है। गुजरात के अलावा ये स्थान राजस्थान, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में हैं।
- **ऑटोमोबाइल क्षेत्र में सहयोग :** मांडल में सुजुकी का संयंत्र दुनियाभर को कारों का निर्यात कर रहा है और अगली पीढ़ी के हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिये लीथियम-आयन बैटरियों के उत्पादन की नींव रख दी गई है।
- **जापान-भारत विनिर्माण संस्थानों के जरिए मानव संसाधन विकास:** इनका विकास जापानी कंपनियों द्वारा किया जा रहा है। गुजरात के अलावा कर्नाटक, राजस्थान और तमिलनाडु में इनका विकास किया जाएगा।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:-

1. भारत में जापानी औद्योगिक बस्ती का विकास गुजरात राजस्थान, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में किया जा रहा है।
2. जापान द्वारा शुरू की जाने वाली बुलेट ट्रेन मुंबई-अहमदाबाद के बीच चलेगी।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन असत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्र. भारत और जापान के बढ़ते संबंध एशिया महाद्वीप में चीन को प्रतिसंतुलित करने में कारगर साबित होंगे। स्पष्ट कीजिए (शब्द-250)

नोट :
26 अक्टूबर को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1(d) होगा।